

Sarus Census, wetland conservation, Keoladeo Ghana National Park, Eco-tourism.



On 21 April, Minister of State for Home Jawahar Singh Bedham was the chief guest of the 43rd Sarus Census programme of the Keoladeo Natural History Society at the Keoladeo Ghana National Park, Bharatpur, during his one-day visit. This is the result of the 43 years of continuous census work, he said, and has become a milestone in the conservation of the environment. He explained to the park as a point of pride to the state of Rajasthan since it finds its way into the UNESCO list of World Heritage sites. The significance of the event in the perspective of RAS examination is that it links the biodiversity conservation, wetlands ecology, tourism, local employment, climate issues, and the state-led heritage development.

The significance of the Event

The minister claimed that Sarus Census does not exist with the purpose of personal benefit, but is a symbol of the national heritage of Bharatpur in Rajasthan, India. He valued the efforts that have been made over a long time to protect birds and wildlife and he referred to them as a priceless aspect of culture, tradition and history. He explained that preservation of nature also contributes to the balance in human life.

Environmental Concerns Highlighted

One of the key issues that were brought up during the programme was the fact that the number of Siberian cranes had been diminishing. According to the minister, low rainfall, global warming, and water scarcity are some of the contributing factors to this issue. This renders the issue significant in studies, which examine climate change, decline of biodiversity, wetland management, and how alterations of rainfall patterns impact migratory birds.

Conservation, Tourism and Local Economy

According to the minister, the state government is engaged in numerous works in the field of environmental protection and developing tourism. Other destinations like Bandh Baretha, Deeg Jal Mahal, religious sites and other heritage sites attract local and foreign tourists with the help of Keoladeo Ghana Bird Sanctuary. He mentioned that such tourism helps in providing employment to local people, in form of guiding, hotels, and taxis.

In Bharatpur Region, Development Works

He told us that the beautification and restoration of the White Palace and Phulwari of Weir is being done. He also mentioned that a biological park and Nagar Van are being established at Bandh Baretha. He says that under the Chief Minister, several projects are underway to give an overall development to Bharatpur.

Water Connections and Local Significance

The minister pointed out that 17 districts of eastern Rajasthan, which include Bharatpur, Sikri, Bandh Baretha Dam, Dholpur, Alwar and others, have been linked together under an important water project. He indicated that this project will supply water to be used in irrigation, drinking, industry and environmental conservation. This provides the news with a significance in the context of water resource management and the development of regions.

Book Release and Census Results

The minister also launched the book on Ecology and Environmental Biology authored by Dr. M. M. Trigunayat and Dr. Kritika Trigunayat, on the occasion. He also saw the newborn Sarus chicks after the programme and provided the necessary instructions to the forest department officials to take care of the chicks. According to DFO Chetan Kumar B. V. the 43 rd Sarus Census report documented 22 in Ghana Bird Sanctuary, and 79 to 81 in the wetlands of Bharatpur and Deeg districts respectively.

Conclusion

The 43rd Sarus Census shows the increased significance of long-term ecological monitoring in Rajasthan. It emphasizes the interconnection between conservation, climate awareness, tourism, and local development. Keoladeo Ghana National Park remains a heritage site and a living testament of what must be achieved to achieve sustainable environmental management.

MCQs

1. Where was the 43 rd Sarus Census programme organised?

- A. Ranthambore National Park
- B. Keoladeo Ghana National Park
- C. Desert National Park.
- D Sariska Tiger Reserve.

Answer: B

2. What did the minister say was a significant cause of the decline in Siberian cranes?

- A. Over mining of industries.
- A. Forest fire by itself.
- C. Global warming, water low rainfall, and shortage.
- D. Tourist movement only.

Answer: C

3. As per the data provided in the programme, the number in the wetlands of Bharatpur and Deeg districts had gone up by:

- A. 69 to 71
- B. 75 to 80
- C. 79 to 81
- D. 81 to 84

Answer: C

सारस गणना, आर्द्रभूमि संरक्षण, केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान, पारिस्थितिक पर्यटन।

21 अप्रैल को गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म भरतपुर के एक दिवसीय दौरे के दौरान केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी द्वारा केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर में आयोजित 43वीं सारस गणना कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पिछले 43 वर्षों से लगातार किया जा रहा यह गणना कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मील का पत्थर बन गया है। उन्होंने बताया कि यह उद्यान राजस्थान के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि यह यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। आरएएस परीक्षा की दृष्टि से यह घटना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह जैव-विविधता संरक्षण, आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी, पर्यटन, स्थानीय रोजगार, जलवायु संबंधी चुनौतियों और राज्य द्वारा संचालित धरोहर विकास को आपस में जोड़ती है।

इस आयोजन का महत्व

राज्यमंत्री ने कहा कि सारस गणना किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं की जाती, बल्कि यह भरतपुर, राजस्थान और भारत की राष्ट्रीय धरोहर के संरक्षण, विकास और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने लंबे समय से पक्षियों और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और उन्हें संस्कृति, परंपरा तथा इतिहास का अमूल्य हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण मानव जीवन के संतुलन को बनाए रखने में भी सहायक होता है।

प्रमुख पर्यावरणीय चिंताएँ

कार्यक्रम के दौरान उठाया गया एक प्रमुख मुद्दा साइबेरियन सारसों की घटती संख्या था। राज्यमंत्री के अनुसार, इस समस्या के प्रमुख कारण वैश्विक तापन, कम वर्षा और जल की कमी हैं। इससे यह विषय जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता ह्रास, आर्द्रभूमि प्रबंधन तथा वर्षा के बदलते स्वरूप का प्रवासी पक्षियों पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे अध्ययन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण बन जाता है।

संरक्षण, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था

राज्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास के क्षेत्र में अनेक कार्य कर रही है। केवलादेव घना पक्षी विहार के साथ-साथ बंध बारैठा, डीग जल महल, धार्मिक स्थलों और अन्य धरोहर स्थलों पर भी देशी तथा विदेशी पर्यटक आते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का पर्यटन स्थानीय लोगों को गाइड, होटल और टैक्सी जैसी सेवाओं के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराता है।

भरतपुर क्षेत्र में विकास कार्य

उन्होंने बताया कि वैर के सफेद महल और फुलवाड़ी के सौंदर्यीकरण तथा जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बंध बारैठा में जैविक उद्यान और नगर वन विकसित किए जा रहे हैं। उनके अनुसार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भरतपुर के समग्र विकास के लिए कई परियोजनाएँ प्रगति पर हैं।

जल संपर्क और क्षेत्रीय महत्व

राज्यमंत्री ने बताया कि एक महत्वपूर्ण जल परियोजना के अंतर्गत भरतपुर, सीकरी, बंध बारैठा बाँध, धौलपुर, अलवर सहित पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को आपस में जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यह

परियोजना सिंचाई, पेयजल, उद्योग और पर्यावरण संरक्षण के लिए जल उपलब्ध कराएगी। इससे यह समाचार जल संसाधन प्रबंधन और क्षेत्रीय विकास के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण बन जाता है।

पुस्तक विमोचन और गणना परिणाम

इस अवसर पर राज्यमंत्री ने डॉ. एम. एम. त्रिगुणायत और डॉ. कृतिका त्रिगुणायत द्वारा लिखित पुस्तक "पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण जैविकी" का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने सारस के नवजात चूजों को देखा और उनकी देखभाल के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डीएफओ चेतन कुमार बी. वी. के अनुसार, 43वीं सारस गणना प्रतिवेदन में घना पक्षी विहार में संख्या 22 दर्ज की गई, जबकि भरतपुर और डीग जिलों की आर्द्रभूमियों में यह संख्या 79 से बढ़कर 81 हो गई।

निष्कर्ष

43वीं सारस गणना राजस्थान में दीर्घकालिक पारिस्थितिक निगरानी के बढ़ते महत्व को दर्शाती है। यह संरक्षण, जलवायु जागरूकता, पर्यटन और स्थानीय विकास के बीच गहरे संबंध को रेखांकित करती है। केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान एक धरोहर स्थल होने के साथ-साथ सतत पर्यावरण प्रबंधन की आवश्यकता का जीवंत उदाहरण बना हुआ है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. 43वीं सारस गणना कार्यक्रम कहाँ आयोजित किया गया था?

- A. रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान
- B. केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान
- C. मरु राष्ट्रीय उद्यान
- D. सरिस्का बाघ अभयारण्य

उत्तर: B

2. राज्यमंत्री के अनुसार, साइबेरियन सारसों की संख्या में कमी का एक महत्वपूर्ण कारण क्या है?

- A. अत्यधिक औद्योगिक खनन
- B. केवल वनाग्नि
- C. वैश्विक तापन, कम वर्षा और जल की कमी
- D. केवल पर्यटकों की आवाजाही

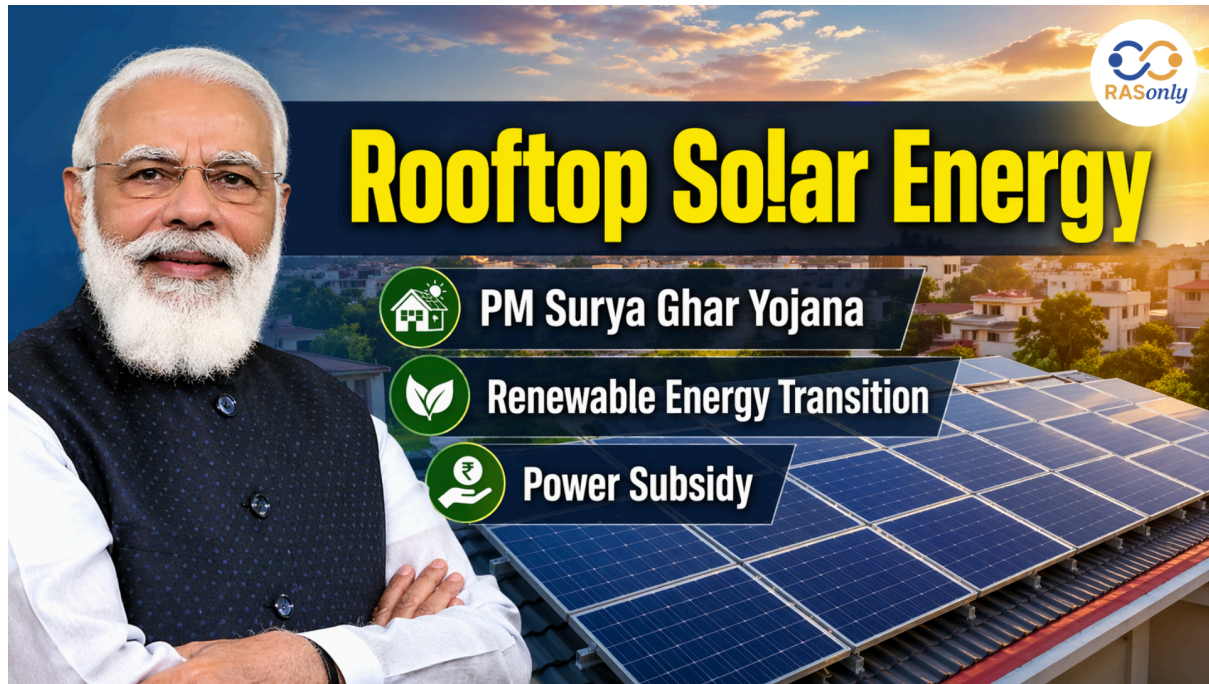
उत्तर: C

3. कार्यक्रम में दी गई जानकारी के अनुसार, भरतपुर और डीग जिलों की आर्द्रभूमियों में संख्या किस प्रकार बढ़ी?

- A. 69 से 71
- B. 75 से 80
- C. 79 से 81
- D. 81 से 84

उत्तर: C

Rooftop Solar Energy, PM Surya Ghar Yojana, Renewable Energy Transition, Power Subsidy.



Rajasthan is fast becoming one of the leading states in terms of the use of rooftop solar energy in India. The state government is under the leadership of Chief Minister Bhajanlal Sharma and the guidance of the Energy Minister Hiralal Nagar to promote solar energy in domestic, non-domestic and industrial categories. There are already 2,45,317 rooftop solar plants installed in the state, which have developed a total capacity of 2,090 megawatts. This has made 1,43,965 consumers pay zero electricity bill. The significance of this development as per the RAS examination viewpoint is that it links renewable energy, subsidy assistance, energy security, consumer welfare, access to banking and reforms in administration in power sector.

The Position of Rooftop Solar Energy in Rajasthan

The state of Rajasthan is third in total rooftop solar installations whose capacity is 2,090 megawatts. Gujarat is the leader with 6,882 megawatts followed by Maharashtra with 5,442 megawatts. In Rajasthan, approximately 32,000 customers have installed rooftop solar systems with a capacity of 10 kilowatts and above, and there is a high growth in the adoption of solar of higher capacity.

Levels of development during PM Surya Ghar Yojana

Through PM Surya Ghar Yojana, a total of 1,77,468 solar plants are installed in rooftops in Rajasthan with a capacity of 686 megawatts. Approximately 675 to 700 new consumers are subscribing to the solar energy system every day. March saw the second-highest number of rooftop solar plants installed with 20,343. The highest number of solar plants installed in one day was recorded on 23 March, 910. Rajasthan ranks fifth in the country following Gujarat, Maharashtra, Uttar Pradesh and Kerala in this scheme.

Quick Installing Growth.

Consumers have installed rooftop solar systems two to two-and-a-half times in six months under PM Surya Ghar Yojana. The fraud started in February 2024. During the initial 6 months, there were only 7,694 consumers who installed the rooftop solar systems. Subsequently, they rose to 19,145, 39,311 and 68,450 in consecutive six months intervals. Over the first three months of this year, 58,153 consumers have installed solar plants. This trend indicates that in the first six months of the year the installations can hit one lakh.

Support of Subsidies to Consumers

The program offers serious financial incentive to promote the use of rooftop solar. Within a period of one to one-and-half months after the installation, subsidy of up to 78,000 is deposited to the bank account of the consumer. The Government of India has so far transferred ₹1,185 crore to the bank accounts of 1,52,350 consumers. It implies that approximately 85 percent of PM Surya Ghar beneficiaries in Rajasthan have already become beneficiaries of subsidies.

Extra Assistance in 150 Unit Free Electricity Programme

Consumers who install rooftop solar plants under the 150 Unit Free Electricity Scheme are also receiving a one-time subsidy of ₹17,000. This subsidy has been given so far to 13,141 consumers through Jaipur, Jodhpur and Ajmer power distribution companies. In this program, 23,273 consumers have installed solar plants and approximately ₹22.33 crore has been given as subsidy. Subsidy distribution under this scheme has been going on since December 2025. Therefore, a consumer in Rajasthan will get up to 78,000 under PM Surya Ghar Yojana and another 17,000 under the 150 Unit scheme.

Simple access to loans and support of vendors

Banks are also offering consumers easy loans at an interest rate of approximately 5.75 percent in the installation of rooftop solar. State Bank of India alone, has given loans to 62,236 consumers, Bank of Baroda to 9,292, Rajasthan Gramin Bank to 8,169, Canara Bank to 1,866, and other banks to 16,666 consumers. There is also

an enhanced involvement of the vendors. Vendors registered on the PM Surya Ghar National Portal have increased to 1,896 compared to 762 vendors registered when the scheme was initiated.

Reforms in administration and facilitation of consumers

The Jaipur, Jodhpur, and Ajmer distribution companies have made the process of installation of rooftop solar easier. Staff are being encouraged by the introduction of a monthly Rooftop Solar Champion Award. Barriers to installation have been removed by issuing Standard Operating Procedures. The consumers have been relieved of application fee, higher security deposit, meter testing fee and the net metering agreement fee. Electricity bills are being used to collect charges following plant installation. Application of PM Surya Ghar connection is receiving separate priority and periodic coordination with banks is assisting the consumers to procure loans easily. Constant awareness camps are also being conducted, down to the sub-division level.

Conclusion

The high rate of rooftop solar energy development in Rajasthan is an indication of a significant change towards clean energy, consumer empowerment, and energy self-sufficiency. As installations increase, subsidies are timely, loans are easier to obtain and the processes are becoming easy, the state is establishing a robust renewable energy foundation. The development is notable in the process of comprehending how India is moving towards sustainable and secure energy systems.

MCQs

1.) What is the current stand of Rajasthan in India in terms of total rooftop solar installations?

- A. First
- B. Second
- C. Third
- D. Fifth

Answer: C

2. Rajasthan PM Surya Ghar Yojana: What is the maximum amount of subsidy that a consumer can get on the installation of rooftop solar?

- A. ₹17,000
- B. ₹50,000

C. ₹78,000

D. ₹1,00,000

Answer: C

3. Which among the following are true about rooftop solar development in Rajasthan?

A. Rajasthan has the highest number of rooftop solar capacity in India.

B. Approx 1,43,965 consumers have lowered their electricity bill to zero.

C. PM Surya Ghar Yojana began in December, 2025, in Rajasthan.

D. The maximum number of plants installed in one day was 510 in March.

Answer: B

छत आधारित सौर ऊर्जा, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन, विद्युत सब्सिडी।

भारत में छत आधारित सौर ऊर्जा के उपयोग के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल होता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के मार्गदर्शन में राज्य सरकार घरेलू, अघरेलू तथा औद्योगिक श्रेणियों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। राज्य में अब तक 2,45,317 छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे कुल 2,090 मेगावाट क्षमता विकसित हुई है। इससे 1,43,965 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य हो गया है। आरएएस परीक्षा की दृष्टि से यह विकास महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नवीकरणीय ऊर्जा, सब्सिडी सहायता, ऊर्जा सुरक्षा, उपभोक्ता कल्याण, बैंकिंग सुविधा और विद्युत क्षेत्र में प्रशासनिक सुधारों को एक साथ जोड़ता है।

राजस्थान में छत आधारित सौर ऊर्जा की स्थिति

राजस्थान कुल छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्रों के मामले में 2,090 मेगावाट क्षमता के साथ देश में तीसरे स्थान पर है। 6,882 मेगावाट क्षमता के साथ गुजरात प्रथम स्थान पर है, जबकि 5,442 मेगावाट क्षमता के साथ महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है। राजस्थान में लगभग 32,000 उपभोक्ताओं ने 10 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले छत आधारित सौर ऊर्जा तंत्र स्थापित किए हैं, जो उच्च क्षमता वाले सौर संयंत्रों की बढ़ती स्वीकृति को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत प्रगति

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत राजस्थान में 686 मेगावाट क्षमता के 1,77,468 छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रतिदिन लगभग 675 से 700 नए उपभोक्ता सौर ऊर्जा व्यवस्था से जुड़ रहे हैं। मार्च माह में 20,343 छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए, जो किसी एक माह में दूसरी सबसे अधिक संख्या है। 23 मार्च को एक ही दिन में 910 सौर संयंत्र स्थापित किए गए, जो अब तक का सर्वाधिक दैनिक आँकड़ा है। इस योजना में गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और केरल के बाद राजस्थान देश में पाँचवें स्थान पर है।

स्थापना में तीव्र वृद्धि

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत हर छह माह में छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराने वाले उपभोक्ताओं की संख्या दो से ढाई गुना तक बढ़ी है। यह योजना फरवरी 2024 में शुरू हुई थी। प्रारंभिक छह महीनों में केवल 7,694 उपभोक्ताओं ने ही ऐसे संयंत्र स्थापित किए थे। इसके बाद क्रमशः अगले छह-छह माह के अवधियों में यह संख्या 19,145, 39,311 और 68,450 तक पहुँच गई। इस वर्ष के पहले तीन महीनों में ही 58,153 उपभोक्ताओं ने सौर संयंत्र स्थापित कराए हैं। यह प्रवृत्ति संकेत देती है कि वर्ष के पहले छह महीनों में यह संख्या 1 लाख तक पहुँच सकती है।

उपभोक्ताओं को सब्सिडी सहायता

यह योजना छत आधारित सौर ऊर्जा अपनाने के लिए मजबूत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। संयंत्र स्थापित होने के लगभग एक से डेढ़ माह के भीतर उपभोक्ता के बैंक खाते में ₹78,000 तक की सब्सिडी राशि स्थानांतरित कर दी जाती है। अब तक भारत सरकार द्वारा 1,52,350 उपभोक्ताओं के बैंक खातों में ₹1,185 करोड़ की राशि भेजी जा चुकी है। इसका अर्थ है कि राजस्थान में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के लगभग 85 प्रतिशत लाभार्थियों को सब्सिडी मिल चुकी है।

150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना के अंतर्गत अतिरिक्त सहायता

150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना के अंतर्गत छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं को ₹17,000 की अतिरिक्त सब्सिडी भी दी जा रही है। जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों के माध्यम से अब तक 13,141 उपभोक्ताओं को यह सहायता दी जा चुकी है। इस योजना में 23,273 उपभोक्ताओं ने सौर संयंत्र स्थापित किए हैं और लगभग ₹22.33 करोड़ की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। इस योजना के अंतर्गत दिसंबर 2025 से सब्सिडी वितरण जारी है। इस प्रकार राजस्थान का एक उपभोक्ता प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत अधिकतम ₹78,000 तथा 150 यूनिट योजना के अंतर्गत अतिरिक्त ₹17,000 प्राप्त कर सकता है।

सरल ऋण सुविधा और विक्रेता सहयोग

उपभोक्ताओं को छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए लगभग 5.75 प्रतिशत ब्याज दर पर सरल ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक ने 62,236 उपभोक्ताओं को, बैंक ऑफ बड़ौदा ने 9,292 को, राजस्थान ग्रामीण बैंक ने 8,169 को, केनरा बैंक ने 1,866 को तथा अन्य बैंकों ने 16,666 उपभोक्ताओं को ऋण सुविधा प्रदान की है। विक्रेताओं की भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री सूर्य घर राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकृत विक्रेताओं की संख्या योजना की शुरुआत के समय 762 से बढ़कर 1,896 हो गई है।

प्रशासनिक सुधार और उपभोक्ता सुविधा

जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों ने छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना प्रक्रिया को और सरल बनाया है। कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिमाह छत आधारित सौर ऊर्जा चैंपियन पुरस्कार शुरू किया गया है। स्थापना में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई है। उपभोक्ताओं को आवेदन शुल्क, अतिरिक्त सुरक्षा राशि, मीटर परीक्षण शुल्क तथा नेट मीटरिंग समझौता शुल्क से राहत दी गई है। संयंत्र स्थापना के बाद शुल्कों की वसूली बिजली बिल के माध्यम से की जा रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत कनेक्शन आवेदनों को अलग प्राथमिकता दी जा रही है तथा बैंकों के साथ नियमित समन्वय के

माध्यम से उपभोक्ताओं को सरल ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। जागरूकता शिविर भी उपखंड स्तर तक लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

निष्कर्ष

राजस्थान में छत आधारित सौर ऊर्जा का तीव्र विस्तार स्वच्छ ऊर्जा, उपभोक्ता सशक्तिकरण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़े परिवर्तन का संकेत है। बढ़ती स्थापनाएँ, समय पर मिलने वाली सब्सिडी, सरल ऋण सुविधा और आसान प्रक्रियाएँ राज्य को नवीकरणीय ऊर्जा के मजबूत आधार की ओर ले जा रही हैं। यह विकास भारत के सतत और सुरक्षित ऊर्जा तंत्र की ओर बढ़ते कदमों को समझने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1.) कुल छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्रों के मामले में राजस्थान वर्तमान में भारत में किस स्थान पर है?

- A. प्रथम
- B. द्वितीय
- C. तृतीय
- D. पंचम

उत्तर: C

2. राजस्थान में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने पर उपभोक्ता अधिकतम कितनी सब्सिडी प्राप्त कर सकता है?

- A. ₹17,000
- B. ₹50,000
- C. ₹78,000
- D. ₹1,00,000

उत्तर: C

3. राजस्थान में छत आधारित सौर ऊर्जा की प्रगति के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

- A. राजस्थान देश में छत आधारित सौर ऊर्जा क्षमता में प्रथम स्थान पर है।
- B. लगभग 1,43,965 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य हो गया है।
- C. प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना राजस्थान में दिसंबर 2025 में शुरू हुई थी।
- D. मार्च में एक दिन में अधिकतम 510 संयंत्र स्थापित किए गए थे।

उत्तर: B

Mental Health, Public Health Governance, Tele-MANAS, Raj-Mamata Programme.



The Rajasthan government under the leadership of Chief Minister Bhajanlal Sharma is making significant initiatives towards enhancing not only physical health but also mental health in the state. The 202627 Budget announced the Raj-Mamata programme in accordance with the vision of Viksit Rajasthan-2047 and the objective of Mental Health for All. Recently, it started to be prepared regarding its implementation during World Health Day. In conjunction with this, the National Tele Mental Health Programme, which is based in the Central Government, is also being successfully run in Rajasthan, called Tele-MANAS. This program is significant in the RAS examination perspective as it links the public health policy, mental health care, institutional support, youth welfare and inclusive government.

Raj-Mamata: A Significant Mental Health Project.

The Raj-Mamata programme, or Rajasthan Mental Awareness, Monitoring and Treatment of All is designed to offer mental care to the state people and deal with issues like depression and stress. The government is striving to transform Rajasthan into a model state in terms of mental health services through this initiative.

Expansion of Centres of Excellence and District

In this innovation, a Centre of Excellence in Mental Health will be set up in Jaipur. It will be furnished with hi-tech counselling and tele-medicine centres. This will make it easier to give expert advice to people living in remote areas. Moreover, there will be established in every district headquarters in the state, and Mental Health Care Cells. Such cells will increase accessibility of expert consultation, treatment and rehabilitation services on a district level.

Tele-MANAS Rapid Support System

The Tele-MANAS has become a good support network to individuals who experience mental panic or depression. As of 15 April 2026, over 71,000 individuals in Rajasthan had been counselled via its toll-free numbers 14416 and 18008914416. Since May 2023 (Jaipur) and November 2023 (Jodhpur), this service has been in operation. Its rising popularity is a sign of a growing awareness and confidence of people in mental health support services.

Youth Mental Health Special Focus

One of the key areas that are addressed in the Raj-Mamata programme is the prevention of stress, depression and suicidal tendencies in the youth. Educational institutions will be held to special counselling sessions to help students and youth. On a grassroots level, the Swasthya Mitras and Asha Sahyoginis are being trained to ensure that any early signs of mental health problems are detected and dealt with in time.

Implications to Public Health Governance

The programme is indicative of a change in governance to not just curative health care, but a holistic approach to health that incorporates emotional and psychological health. Mainstreaming mental health into the policy arena is evident in the integration of counselling, tele-medicine, district-level support cells and institutional outreach. This renders the initiative relevant to health administration as well as social development and enhancement of human resource.

Conclusion

The Raj-Mamata programme is a significant move in the direction of Rajasthan to create a more inclusive and sensitive public health system. The state is on the path to more robust mental health care delivery with a Centre of Excellence in Jaipur, district-level mental health cells, successful operation of Tele-MANAS, and more. The program can transform Rajasthan to become one of the best in mental health governance in India.

MCOs

1. In which Budget? The Raj-Mamata programme in Rajasthan was announced.

- A. 2024–25
- B. 2025–26
- C. 2026–27
- D. 2027–28

Answer: C

2. What is proposed to be instituted at each of the district headquarters, under the Raj-Mamata programme?

- A. Trauma Care Unit.
- B. Mental Health Care Cells.
- C. Drug Rehabilitation Boards.
- D. Mobile Medical Camps.

Answer: B

3. How many people in Rajasthan had received counselling by 15 April 2026 by means of Tele-MANAS?

- A. 21,000
- B. 45,000
- C. 71,000
- D. 1,10,000

Answer: C

मानसिक स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य शासन, टेली-मानस, राज-ममता कार्यक्रम।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार राज्य में केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहल कर रही है। विकसित राजस्थान-2047 की परिकल्पना और “सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य” के लक्ष्य के अनुरूप वर्ष 2026-27 के बजट में राज-ममता कार्यक्रम की घोषणा की गई। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इसके क्रियान्वयन की तैयारियाँ प्रारम्भ की गईं। इसके साथ ही केंद्र सरकार का राष्ट्रीय दूरभाष आधारित मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, टेली-मानस, भी राजस्थान में सफलतापूर्वक

संचालित किया जा रहा है। आरएएस परीक्षा की दृष्टि से यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह लोक स्वास्थ्य नीति, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, संस्थागत सहयोग, युवा कल्याण और समावेशी शासन को एक साथ जोड़ता है।

राज-ममता: एक महत्वपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य पहल

राज-ममता कार्यक्रम, अर्थात् राजस्थान मानसिक जागरूकता, निगरानी और सभी के लिए उपचार, राज्य के लोगों को मानसिक सहारा प्रदान करने तथा अवसाद और तनाव जैसी समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस पहल के माध्यम से सरकार राजस्थान को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक आदर्श राज्य बनाने का प्रयास कर रही है।

उत्कृष्टता केंद्र और जिला स्तर पर विस्तार

इस नवाचार के अंतर्गत जयपुर में मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह अत्याधुनिक परामर्श और दूरचिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इससे दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी विशेषज्ञों की सलाह आसानी से मिल सकेगी। इसके अतिरिक्त, राज्य के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रकोष्ठ स्थापित किए जाएंगे। ये प्रकोष्ठ जिला स्तर पर विशेषज्ञ परामर्श, उपचार और पुनर्वास सेवाओं को अधिक सुलभ बनाएंगे।

टेली-मानस: त्वरित सहायता व्यवस्था

टेली-मानस मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रहे लोगों के लिए एक प्रभावी सहायता तंत्र के रूप में उभरा है। 15 अप्रैल 2026 तक राजस्थान में 71 हजार से अधिक लोगों ने इसके निःशुल्क दूरभाष क्रमांक 14416 और 18008914416 के माध्यम से परामर्श प्राप्त किया था। जयपुर में मई 2023 से और जोधपुर में नवंबर 2023 से यह सेवा निरंतर संचालित की जा रही है। इसका बढ़ता उपयोग इस बात का संकेत है कि लोगों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता और विश्वास दोनों बढ़ रहे हैं।

युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान

राज-ममता कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य युवाओं में तनाव, अवसाद और आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियों की रोकथाम करना है। विद्यार्थियों और युवाओं की सहायता के लिए शिक्षण संस्थानों में विशेष परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे। जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य मित्रों और आशा सहयोगिनियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रारम्भिक लक्षणों की पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

लोक स्वास्थ्य शासन पर प्रभाव

यह कार्यक्रम शासन की उस बदलती सोच को दर्शाता है, जिसमें केवल रोगोपचार तक सीमित रहने के बजाय स्वास्थ्य को समग्र रूप में देखा जा रहा है, जिसमें भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य भी शामिल है। परामर्श, दूरचिकित्सा, जिला स्तरीय सहायता प्रकोष्ठ और संस्थागत पहुँच को एकीकृत करना इस बात का प्रमाण है कि मानसिक स्वास्थ्य को अब लोक नीति का मुख्य हिस्सा बनाया जा रहा है। इससे यह पहल स्वास्थ्य प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक विकास और मानव संसाधन सुदृढीकरण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है।

निष्कर्ष

राज-ममता कार्यक्रम राजस्थान को अधिक समावेशी और संवेदनशील लोक स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। जयपुर में उत्कृष्टता केंद्र, जिला स्तरीय मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठों की स्थापना और टेली-मानस के सफल संचालन के माध्यम से राज्य अधिक मजबूत मानसिक स्वास्थ्य सेवा तंत्र की ओर बढ़ रहा है। यह कार्यक्रम राजस्थान को भारत में मानसिक स्वास्थ्य शासन के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की क्षमता रखता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राजस्थान में राज-ममता कार्यक्रम की घोषणा किस बजट में की गई थी?

- A. 2024–25
- B. 2025–26
- C. 2026–27
- D. 2027–28

उत्तर: C

2. राज-ममता कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक जिला मुख्यालय पर क्या स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है?

- A. आघात उपचार इकाई
- B. मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रकोष्ठ
- C. नशा मुक्ति मंडल
- D. चलित चिकित्सा शिविर

उत्तर: B

3. 15 अप्रैल 2026 तक टेली-मानस के माध्यम से राजस्थान में कितने से अधिक लोगों को परामर्श प्राप्त हुआ था?

- A. 21,000
- B. 45,000
- C. 71,000
- D. 1,10,000

उत्तर: C

Chess, International Sports
Achievement, State-Level Chess
Competition, Rajasthan Talent.



Chess

International Sports Achievement

State-Level Chess Competition

Rajasthan Talent.

The talent of chess of Rajasthan has now attracted attention both at the international and state level. Young Shreyanshi Jain who is a player in Under-8 girls category won a gold medal in chess competition being held in another country, Serbia and performed well in major FIDE events, bringing pride to the country. Meanwhile, Ujjwaldeep became the champion of the Akshaya Tertiya Rapid Open Chess Tournament in Jaipur. These successes matter in the RAS examination perspective as they emphasise the evolution of youth sports in the region, the increasing involvement of Rajasthan in mind sports and how competitions with the help of organised competitions promote excellence.

This is the achievement of Shreyanshi Jain internationally.

Shreyanshi Jain was an excellent international chess player and a gold medalist in the Under-8 category of girls. Her clarity of calculation and decisive action earned her the first place at a FIDE Cadet and Youth Blitz Championship. At the FIDE world cadet and youth rapid and blitz chess championship, which was held in Serbia, she also scooped a gold medal in the under-8 girls rapid category. To this she has won a bronze medal at a world rapid chess competition. Her plan and focus were highly valued and her success made her family and the sporting fraternity happy.

Ujjwaldeep takes Akshaya Tertiya Rapid Open Title

Akshaya Tertiya Rapid Open Chess Tournament held in Mansarovar, Jaipur was won by Ujjwaldeep. The title went to him because he got 6.5 points in 7 rounds. The tournament had an attendance of 171 players across the state, with 50 of them being rated players. There were a total cash prize of 25,000 in cash and 39 trophies and medals. Officials of Jaipur District Chess Association reported that Ujjwaldeep, Arjun

Chaumal, and Rituraj Singh were tied after 6.5 points, however, Ujjwaldeep won the title.

Importance of These Achievements.

The two are a testament that a competitive culture of chess is building up in Rajasthan. The international performance of a young player such as Shreyanshi Jain is a sign of the potential of talent on the grassroots level. In the same way, the huge attendance in Jaipur rapid tournament indicates how chess is becoming stronger at the state level. These events serve to discover talent, foster discipline and a strategic approach, and drive the image of Rajasthan in the world of sports.

Conclusion

The recent triumph of Shreyanshi Jain and Ujjwaldeep is indicative of growing power of chess in Rajasthan. One of the accomplishments has given the state international recognition, whereas the other one emphasizes the competitive spirit. They all demonstrate how Rajasthan is gradually becoming a hub of young chess talent and sporting excellence.

MCQs

1. Shreyanshi Jain has won a gold medal in which field in international chess?

- A. Under-10 girls
- B. Under-8 girls
- C. Under-12 girls
- D. Under-8 open

Answer: B

2. Ujjwaldeep has won the Akshaya Tritiya Rapid Open Chess Tournament with how many points in 7 rounds?

- A. 5.5
- B. 6.0
- C. 6.5
- D. 7.0

Answer: C

3. What was the number of players who attended the Akshaya Tritiya Rapid Open Chess Tournament at Jaipur?

- A. 121

B. 150

C. 171

D. 210

Answer: C

शतरंज, अंतरराष्ट्रीय खेल उपलब्धि, राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता, राजस्थान की प्रतिभा।

राजस्थान की शतरंज प्रतिभा ने अब अंतरराष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर ध्यान आकर्षित किया है। अंडर-8 बालिका वर्ग की युवा खिलाड़ी श्रेयांशी जैन ने सर्बिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। वहीं, उज्ज्वलदीप ने जयपुर में आयोजित अक्षय तृतीया रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। आरएएस परीक्षा की दृष्टि से ये उपलब्धियाँ महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये राज्य में युवा खेलों के विकास, बुद्धि-आधारित खेलों में राजस्थान की बढ़ती भागीदारी तथा संगठित प्रतियोगिताओं के माध्यम से उत्कृष्टता को प्रोत्साहन देने को रेखांकित करती हैं।

श्रेयांशी जैन की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि

श्रेयांशी जैन ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंडर-8 बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सटीक गणना और तेज निर्णय क्षमता के बल पर उन्होंने एक फिडे कैडेट्स एवं यूथ ब्लिट्ज चैम्पियनशिप में पहला स्थान प्राप्त किया। सर्बिया में आयोजित फिडे विश्व कैडेट एवं यूथ रैपिड तथा ब्लिट्ज शतरंज चैम्पियनशिप में भी उन्होंने अंडर-8 बालिका रैपिड वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने विश्व रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में कांस्य पदक भी जीता। उनकी रणनीति और एकाग्रता की व्यापक सराहना हुई तथा उनकी सफलता से उनके परिवार और खेल जगत में खुशी का वातावरण बना।

उज्ज्वलदीप ने जीता अक्षय तृतीया रैपिड ओपन खिताब

मांसरोवर, जयपुर में आयोजित अक्षय तृतीया रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता का खिताब उज्ज्वलदीप ने जीता। उन्होंने 7 चरणों में 6.5 अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता में पूरे राज्य से 171 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 50 रेटेड खिलाड़ी शामिल थे। प्रतियोगिता में कुल 25,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि तथा 39 ट्रॉफियाँ और पदक दिए गए। जयपुर जिला शतरंज संघ के अधिकारियों के अनुसार उज्ज्वलदीप, अर्जुन चौमल और ऋतुराज सिंह सभी 6.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से आगे थे, लेकिन उज्ज्वलदीप विजेता बने।

इन उपलब्धियों का महत्व

ये दोनों उपलब्धियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि राजस्थान में प्रतिस्पर्धी शतरंज संस्कृति विकसित हो रही है। श्रेयांशी जैन जैसी युवा खिलाड़ी की अंतरराष्ट्रीय सफलता जमीनी स्तर की प्रतिभा की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है। इसी प्रकार, जयपुर रैपिड प्रतियोगिता में बड़ी भागीदारी यह बताती है कि राज्य स्तर पर शतरंज और अधिक मजबूत हो रहा है। ऐसी प्रतियोगिताएँ प्रतिभा की पहचान करने,

अनुशासन और रणनीतिक सोच को बढ़ावा देने तथा खेल क्षेत्र में राजस्थान की छवि को मजबूत करने में सहायक होती हैं।

निष्कर्ष

श्रेयांशी जैन और उज्ज्वलदीप की हालिया सफलताएँ राजस्थान में शतरंज की बढ़ती शक्ति को दर्शाती हैं। एक उपलब्धि ने राज्य को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है, जबकि दूसरी ने राज्य के भीतर प्रतिस्पर्धी भावना को उजागर किया है। दोनों मिलकर यह दिखाती हैं कि राजस्थान धीरे-धीरे युवा शतरंज प्रतिभाओं और खेल उत्कृष्टता का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. श्रेयांशी जैन ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज में किस वर्ग में स्वर्ण पदक जीता?

- A. अंडर-10 बालिका
- B. अंडर-8 बालिका
- C. अंडर-12 बालिका
- D. अंडर-8 ओपन

उत्तर: B

2. उज्ज्वलदीप ने अक्षय तृतीया रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता 7 चरणों में कितने अंक प्राप्त कर जीती?

- A. 5.5
- B. 6.0
- C. 6.5
- D. 7.0

उत्तर: C

3. जयपुर में आयोजित अक्षय तृतीया रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता में कितने खिलाड़ियों ने भाग लिया?

- A. 121
- B. 150
- C. 171
- D. 210

उत्तर: C